निरीक्षण टिप्पणी

निरीक्षणकर्ता अधिकारी का नाम	:	**श्री विजय किरन आनन्द,**
पदनाम	:	जिलाधिकारी, शाहजहाँपुर।
निरीक्षित कार्यालय	:	संयुक्त जिला चिकित्सालय, शाहजहाँपुर।
निरीक्षण का दिनांक	:	11–04–2016

मेरे द्वारा आज दिनांक 11–04–2016 को संयुक्त जिला चिकित्सालय, शाहजहाँपुर का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान डा0 कमल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी, शाहजहाँपुर, डा0 केशव स्वामी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त जिला चिकित्सालय, श्री के0एल0चौधरी, सहायक निदेशक, सूचना एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी मेरे साथ रहे ।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त जिला चिकित्सालय की स्थिति निम्नवत् पायी गईः–

1–ट्रामा सेंटर/आकस्मिक चिकित्सा कक्ष :–

भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम संयुक्त जिला चिकित्सालय स्थित ट्रामा सेंटर/ आकस्मिक चिकित्सा कक्ष का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के समय ट्रामा सेंटर के बरामदे में मरीजों का इलाज होते हुए पाया गया। जानकारी करने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि सर्वप्रथम मरीजों को इसी स्थान पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाती है, तदोपरान्त मरीजों को आपातकालीन वार्ड में स्थानान्तरित किया जाता है।

निरीक्षण के समय प्रातः लगभग 09.30 बजे तक ट्रामा सेंटर/आकस्मिक चिकित्सा केन्द्र में कुल 15 मरीज भर्ती हुए पाए गए। आकस्मिक चिकित्सा केन्द्र पर रक्षित भर्ती पंजिका के अवलोकन से स्पष्ट हुआ कि दिनांक 09–04–2016 को कुल 72 मरीज तथा दिनांक 10–04–2016 को कुल 51 मरीज ही भर्ती हुए। इस प्रकार जनपद की आबादी को दृष्टिगत रखते हुए यह संख्या अत्यन्त ही कम है। इससे स्पष्ट होता है कि संयुक्त जिला चिकित्सालय से अधिकांश मरीजों को दूसरे चिकित्सालयों के

वार्ड में निरीक्षण के दौरान देखने में आया कि वार्ड एक तरफ से खुले हुए कक्ष में बने हैं, जिनको सुरक्षा एवं मौसम आदि से बचाव हेतु दीवार खड़ी कर कमरे का स्वरूप देना अनिवार्य है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह चिकित्सा विभाग के अवर अभियन्ता को बुलवाकर सभी वार्डों को कमरे के रूप में तैयार करने संबंधी आगणन तैयार कराकर वार्डो की मरम्मत करायी जाए।

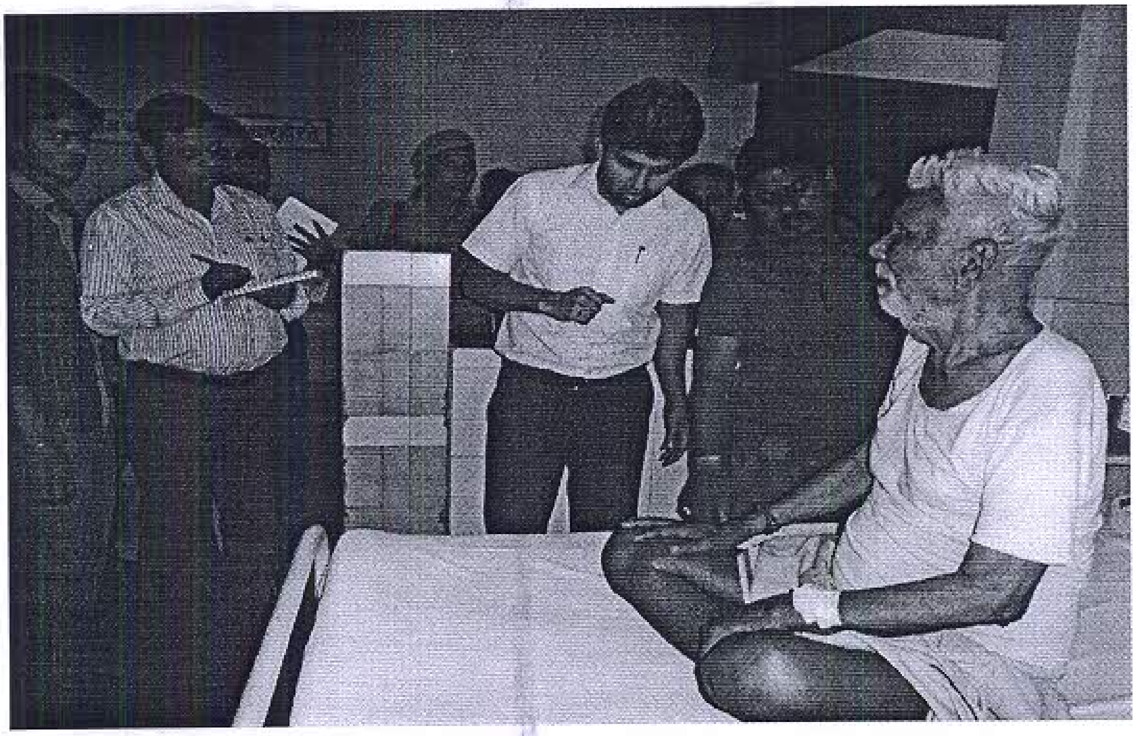

निरीक्षण के दौरान वार्ड में भर्ती मरीजों से जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को भोजन नहीं दिया जा रहा है तथा मरीज अपना भोजन बाहर से ला रहे हैं। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से जानकारी करने पर उनके द्वारा अनिभिज्ञता प्रकट की गई । इससे स्पष्ट होता है कि जिला चिकित्सालय में में मरीजों को भोजन नहीं दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से मरीजो को दिए जाने वाले भोजन व्यवस्था हेतु शासन द्वारा उपलब्ध करायी गई धनराशि के सम्बन्ध में जानकारी करने पर उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 15–16 में भोजन व्यवस्था हेतु शासन द्वारा रु0 2328000.00 के बजट का आवंटन हुआ है, जिसमें से गत माह फरवरी–2016 में रु01046477.00 एवं माह मार्च–2016 में रु0 707048.00 कुल रु0 1753525.00 की धनराशि व्यय हुई है। इस अवधि में लगभग 17.53 लाख रूपये की धनराशि व्यय हो जाने के उपरान्त भी मरीजों को भोजन न मिलना यह स्थिति अत्यन्त खेदजनक है। मुख्य चकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जिला चिकित्सालय में प्रातः मरीजों को 1 ली0 दूध एवं 200ग्रा0 ब्रेड उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को चिकित्सक द्वारा दिए गए परामर्श के अनुसार भोजन उपलब्ध कराएं। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही को गम्भीरता से लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि वह जिला चिकित्सालय में कैन्टीन सुविधा प्रारम्भ कराएं, जिससे मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों को न्यूनतम मूल्य दर पर भोजन उपलब्ध हो सके।

निरीक्षण के दौरान वार्डो में तथा वार्डो के शौचालयों में अत्यधिक गंदगी पायी गई। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से जानकारी करने पर उनके द्वारा अवगत कराया गया कि जिला चिकित्सालय में सफाई हेतु कॉट्रेक्ट व्यवस्था सुचारू है, जिस हेतु कॉन्ट्रेक्टर द्वारा 18 सफाई कर्मचारियों को तैनात किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह चिकित्सालय की सफाई हेतु सफाई कर्मियों की संख्या बढ़वायें क्योंकि इतने बड़े चिकित्सालय की सफाई मात्र 18 सफाई कर्मचारियों द्वारा सम्भव नहीं है। इस सम्बन्ध में जानकारी करने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि सफाई व्यवस्था हेतु 300/रू0 प्रति वेड व्यय किया जा रहा है मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह सफाई हेतु नियुक्त कॉन्ट्रेक्टर को नोटिस निर्गत करें और यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं होता है तो इस हेतु व्यय की गयी धनराशि की वसूली कॉन्ट्रेक्टर से की जाये।

<u>सामान्य वार्डो का निरीक्षण :-</u>

जिला चिकित्सालय में भ्रमण के दौरान सफाई व्यवस्था अत्यन्त खराब पायी गयी अन्य वार्डो की भांति इन वार्डो में भी मरीजों के तीमारदारों को बैठने के लिए स्टूल/बेंच की कोई व्यवस्था नहीं है वार्डो की सफाई व्यवस्था इतनी खराब है वार्ड के शौचालय इतने गन्दे है कि उनको उपयोग में लाया जाना सम्भव नहीं है आकस्मिक वार्ड से सामान्य वार्डों में जाने के लिए वाले कॉरीडोर में लोगों को बैठने आदि के लिए बैंचों को लगाया जाना आवश्यक है मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह विभागीय अवर अभियन्ता को बुलवाकर कॉरीडोर में बेंचे आदि लगाये जाने हेतु आंकणन तैयार कराये और शीघ्रातिशीघ्र बैंचों की व्यवस्था कराकर कॉरीडोर में लगवाना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया गया मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कमरे के आस-पास खाली पड़े कमरों को उपयोग में लाये जाने हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये गये। वार्डों के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्सो की के उपलब्धता के

सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से जानकारी की गयी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि संयुक्त जिला चिकित्सालय में उपचारिका के संवर्ग के जिसमें मैट्रन, सहायक मैट्रन, सिस्टर एवं उपचारिका के कुल 70 पद स्वीकृत है जिसके सापेक्ष मात्र 70 उपचारिकायें ही तैनात है तथा इस संवर्ग के 27 पद रिक्त चल रहे है इसी प्रकार चतुर्थ श्रेणी संवर्ग में 106 स्वीकृत पदो के सापेक्ष मात्र 45 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही तैनात है चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में वार्ड वॉय के 44 पदों के सापेक्ष कुल 18 वार्ड वॉय तैनात है वार्ड आया के स्वीकृत कुल 05 पद, सभी खाली पड़े है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि जिला चिकित्सालय शाहजहाँपुर में विशेषज्ञतावार स्वीकृत 43 चिकित्सों के सापेक्ष मात्र 23 चिकित्सक ही तैनात है और 20 पद खाली चल रहे है इसी प्रकार पैरा मेडिकल स्टाफ के स्वीकृत 39 पदों के सापेक्ष 34 पैरामेडिकल तैनात है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह प्राचार्य आई0टी0आई0 से समन्वय स्थापित कर कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत चिकित्सा सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षाणार्थियों को तैनात करें। और उनकी सेवायें प्राप्त करें। इससे गांव के बेरोजगार प्रशिक्षाणार्थियों को रोजगार व अनुभव प्राप्त होगा और जिला चिकित्सालय को प्रशिक्षित स्टाफ मिल सकेगा।

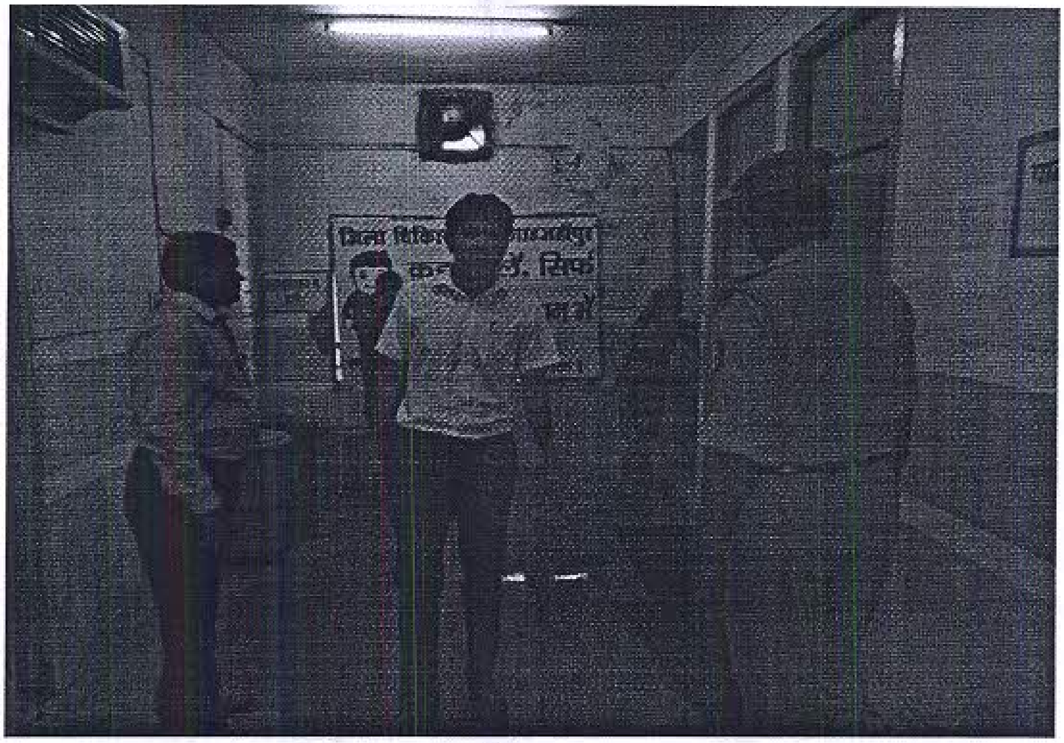

<u>एक्स–रे व अल्ट्रासाउण्ड कक्ष का निरीक्षण :–</u>

अल्ट्रासाउण्ड कक्ष में निरीक्षण के दौरान डा0 महेन्द्र पाल, रेडियोलॉजिस्ट व श्री वाई0पी0 शुक्ला, एक्स–रे टेक्निशियन मौजूद थे जानकारी करने पर उनके द्वारा अवगत कराया गया कि निरीक्षण के समय तक कुल 11 मेडिकोलीगल एक्स–रे व 31 सामान्य एक्स–रे हुये है इस प्रकार एक्स–रे किये जाने की संख्या बहुत कम है मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक एक्स–रे करने हेतु सम्बन्धितों को निर्देशित करें। इसीप्रकार अल्ट्रासाउण्ड भी अधिक से अधिक संख्या में कराने के निर्देश दिये गये।

ओ0पी0डी0 का निरीक्षण :–'

संयुक्त जिला चिकित्सालय में भ्रमण के दौरान चिकित्सकों द्वारा की गयी ओ0पी0डी0 कार्यो का निरीक्षण किया गया :–

1– डा0 ओ0पी0गौतम (एनेस्थिसिया):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा कुल 60 मरीजो का परीक्षण किया गया जोकि अत्यन्त कम है। चिकित्सक के पास उपलब्ध ओ0पी0डी0 रजिस्टर का अवलोकन करने से स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा पूर्व दिवसों में भी 60 से 70 मरीजों का ही परीक्षण किया गया है। यह स्थिति संतोषजनक नहीं है। डा0 ओ0पी0गौतम को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में मरीजों का परीक्षण सुनिश्चित करें।

2– डा0 एम0एल0 अग्रवाल (फिजिशियन):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा कुल 80 मरीजो का परीक्षण किया गया जोकि अत्यन्त कम है। चिकित्सक के पास उपलब्ध ओ0पी0डी0 रजिस्टर का अवलोकन करने से स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा पूर्व दिवसों में भी लगभग 90 से 100 मरीजों का ही परीक्षण किया गया है। यह स्थिति संतोषजनक नहीं है। डा0 एम0एल0अग्रवाल को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में मरीजों का परीक्षण सुनिश्चित करें।

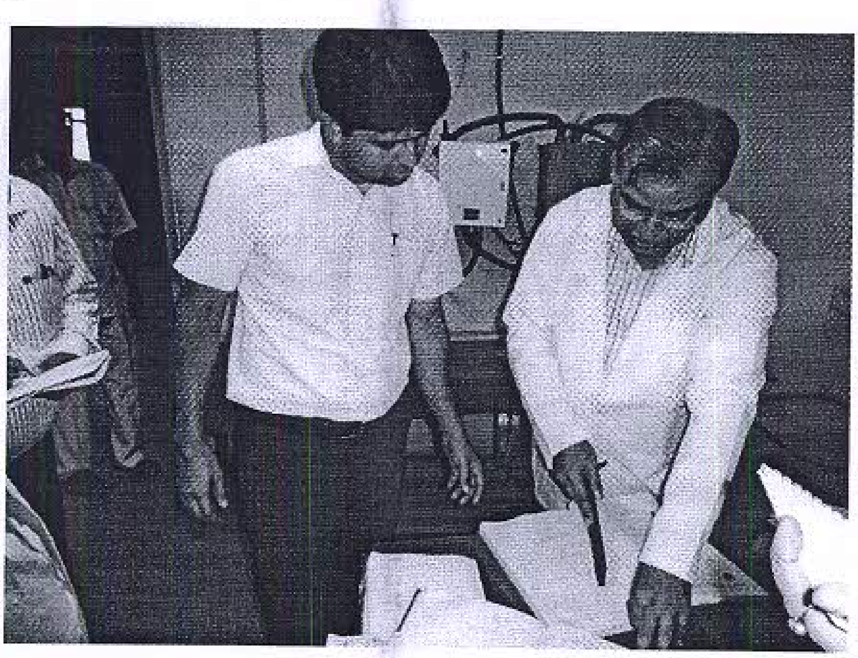

3– डा0 के0सी0 वर्मा (हृदय रोग विशेषज्ञ):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा कुल 25 मरीजो का परीक्षण किया गया जोकि अत्यन्त कम है। चिकित्सक के पास उपलब्ध ओ0पी0डी0 रजिस्टर का अवलोकन करने से स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा पूर्व दिवसों में भी लगभग 60 से 70 मरीजों का ही परीक्षण किया गया है। यह स्थिति संतोषजनक नहीं है। डा0 के0सी0 वर्मा को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में मरीजों का परीक्षण सुनिश्चित करें।

4– डा0 ए0यू0पी0 सिन्हा (बाल रोग विशेषज्ञ):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा कुल 70 मरीजो का परीक्षण किया गया जोकि अत्यन्त कम है। चिकित्सक के पास उपलब्ध ओ0पी0डी0 रजिस्टर का अवलोकन करने से स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा पूर्व दिवसों में भी 70 से 80 मरीजों का ही परीक्षण किया गया है। यह स्थिति संतोषजनक नहीं है। डा0 ए0यू0पी0 सिन्हा को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में मरीजों का परीक्षण सुनिश्चित करें।

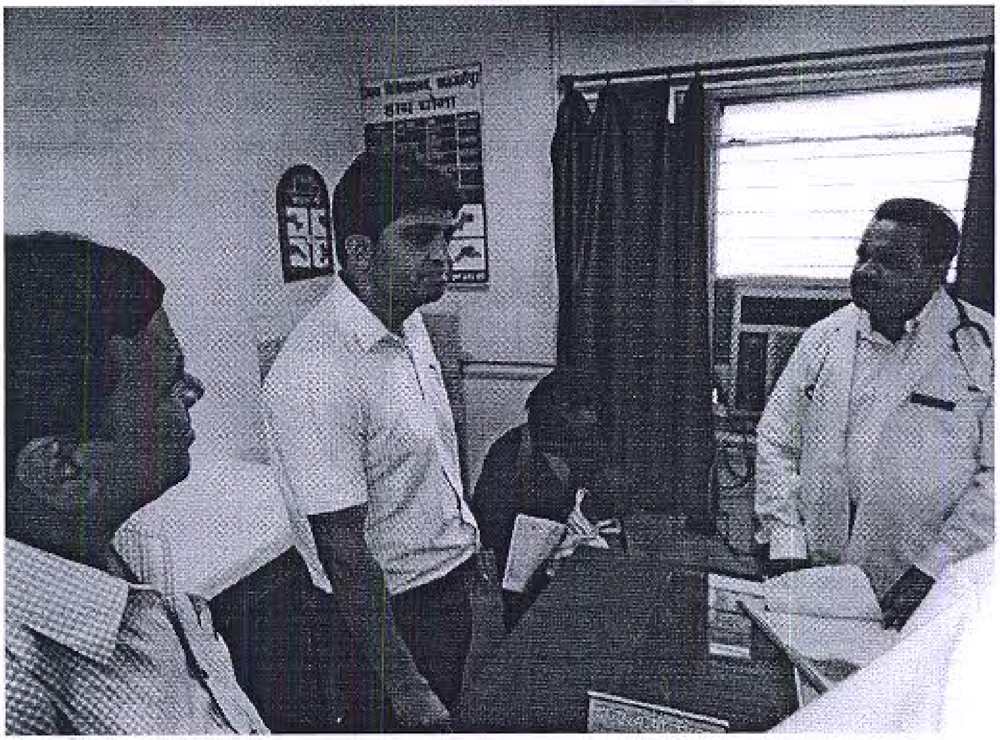

5– डा0 आदित्य आर्या (नेत्र चिकित्सक):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा कुल 55 मरीजो का परीक्षण किया गया जोकि अत्यन्त कम है। चिकित्सक के पास उपलब्ध ओ0पी0डी0 रजिस्टर का अवलोकन करने से स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा पूर्व दिवसों में भी लगभग 60 से 70 मरीजों का ही परीक्षण किया गया है। यह स्थिति संतोषजनक नहीं है। डा0 आदित्य आर्या को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में मरीजों का परीक्षण सुनिश्चित करें।

6– डा0 राजीव शर्मा (नाक, कान, गला विशेषज्ञ):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा अत्यन्त कम मरीजों को देखा गया है विगत दिवसों के सम्बन्ध में जानकारी करने पर अवगत कराया गया है कि शनिवार को आधे दिन चिकित्सालय के ओ0पी0डी0 में मरीजों को देखा जाता है यह स्थिति अत्यन्त आपत्तिजनक है। मुख्य चिकित्सक अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह इस प्रकार की व्यवस्था को तत्काल रोकते हुए शनिवार एवं सप्ताह के वाकी दिवसों में चिकित्सालय में पूरी कार्य अवधि में ओ0पी0डी0 का कार्य किया जायेगा।

7– डा0 अलका पाण्डेय (दन्त चिकित्सक):–

निरीक्षण के समय तक इनके द्वारा कुल 20 मरीजो का परीक्षण किया गया जोकि अत्यन्त कम है। चिकित्सक के पास उपलब्ध ओ0पी0डी0 रजिस्टर का अवलोकन करने से स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा पूर्व दिवसों में भी लगभग 15 से 20 मरीजों का ही परीक्षण किया गया है। दन्त चिकित्सक से गत माह में हुये रूट कैनाल के सम्बन्ध में जानकारी करने पर उनके द्वारा गत माह में मात्र 04 मरीजों का रूट कैनाल किया गया है। यह स्थिति अत्यन्त असंतोषजनक है। डा0 अलका पाण्डेय को निर्देशित किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में मरीजों का परीक्षण सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान ओ0पी0डी0 कार्यो की उपरोक्त स्थिति से स्पष्ट है कि चिकित्सालय में मरीजों को ओ0पी0डी0 में देखने का कार्य सही ढंग से नहीं किया जा रहा है यह स्थिति कदापि उचित नहीं है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किय गया है कि वह स्वंय ओ0पी0डी0 कार्यो को निरीक्षण करें तथा अधिक से अधिक में मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायें।

ओ0एस0टी0 विभाग :–

जिला चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान ओ0एस0टी0 विभाग का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान कक्ष में ओ0एस0टी0 काउन्सलर श्री राहुल सिन्हा मौके पर मौजूद रहे। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वह चिकित्सालय में प्रतिदिन 08 से 10 मरीजों के एच0आई0वी0 की काउंसलिंग करते है तथा उनको एच0आई0वी0 के सम्बन्ध में जागरूक करते है। मुख्य चिकित्सक को निर्देशित किया गया कि वह ओ0एस0टी0 काउन्सलर को चेतावनी निर्गत करें तथा सुनिश्चित करायें कि वह अधिक से अधिक मरीजों की काउंसलिंग कर एच0आई0वी0 के प्रति जागरूक करें तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक इनके कार्यो की स्वयं समीक्षा कर अपनी आख्या प्रस्तुत करें।